एक चरवाहा राजा परमेश्वर के लिये गीत गाता है

ऐसी गतिविधियों का चयन कीजिये जो बच्चों की आयु एवं उनकी आवश्यकता की पूर्ति कर सके।

''**प्रिय प्रभु,** कृपया बच्चों की सहायता कीजिये कि वे पवित्रशास्त्र की कविता की सुन्दरता का अनुभव कर उसकी प्रसंशा कर सकें, और दाऊद के चरवाहे संबंधी भजन से सांत्वना पा सकें। आमीन।''

कोई बड़ा बालक या अध्यापक चरवाहे का भजन अर्थात् भजनसंहिता 23 पढ़े। यह भजन दर्शाता है कि हम दाऊद की तरह किस प्रकार अपने अच्छे चरवाहे यीशु मसीह की, जो हमारी सुधि रखता है, स्तुति कर सकते हैं।

प्रश्न: (प्रत्येक प्रश्न का उत्तर साथ में दिया गया है)

- जब परमेश्वर हमारी देखभाल करता हो, तो क्या हमें किसी वस्तु की घटी हो सकती है? (देखें पद 1)
- वह कैसे स्थानों में हमें ले चलता है? (देखें पद 2)
- धर्म के मार्गो में वह क्यों हमारी अगुवाई करता है? (देखें पद 3)
- क्या हमें मृत्यु से भयभीत होना चाहिये? (देखें पद 4)
- हम सर्वदा तक कहां निवास करेंगे? (देखें पद 6)

चरवाहे का यह भजन गाएं: यदि इस भजन पर आधारित कोई गीत आप जानते हैं, तो गाईए। या आप इस भजन को उस राग में गा सकते हैं जिसे बच्चे पहले से ही जानते हों।

जब आप गा रहे हों, तो यदि संभव हो, तो उस पर आधारित नाटक भी कीजिए।

- आराधना सभा के अगुवे के साथ मिलकर बच्चों के लिये एक लघु नाटक तैयार कीजिये।
- अपने अध्ययन के समय बच्चों को नाटक की तैयारी कराएं।
- बड़े बच्चे छोटे बच्चों की तैयारी में सहायता करें।

- बड़े और युवा बच्चे ये भूमिकाएं करें :
- **चरवाहा:** एक कटोरा, बोतल, मेज़, छड़ी आदि ले लीजिए। (कोई भी छड़ी ली जा सकती है जिसमें डालियां हों)
- **उद्घोषक:** कहानी का सारांश बताए, और बच्चों की सहायता करे कि उन्हें क्या बोलना है और क्या करना है।
- **छोटे बच्चे:** ये भेड़ों और भेड़ों के शत्रुओं की भूमिका कर सकते हैं।(ये घुटनों व कोहनियों के बल चलकर भेड़ों की धीमी आवाजों में कभी कभी बोलते रहें।
- **उद्घोषक:** भजन 23 दो बार पढ़े या मुखाग्र बोले। दूसरी बार हर पद बोलने के बाद रूक जाए ताकि बच्चे उसके अनुसार नाटक करते रहें।

उद्घोषक: (पद एक पढ़े)

चरवाहे: भेड़ों के आसपास चलें उन्हें प्यार करें और भेड़ की पीठ पर हाथ फेरें।

भेड़ें : चरवाहे के निकट आने का प्रयत्न करें और चरवाहे को देखकर मुस्कुराएं। ऐसा लगे कि वे खुश हैं।

उद्घोषक: पद दो पढ़े।

चरवाहा: कटोरे को नीचे की ओर उंडेले और भेड़ों को उसके निकट लाने का प्रयत्न करे।

भेड़ें: ऐसे दिखाएं कि मानों उस कटोरे से जल पी रही हों। फिर शान्त होकर लेट जाएं और जुगाली करें।

उद्घोषक: पद 3 पढ़े।

चरवाहा: भेड़ों को अपने पीछे चलाए।

भेड़ें: चरवाहे के पीछे पीछे निकट होकर चलें।

एक चरवाहा राजा : पद 4 पढ़े।

शत्रु: कुर्सियों के पीछे छिपे रहें, और ऐसा अभिनय करें मानों भेड़ों पर तीर चला रहे हों।

भेड़ें: डरने का अभिनय करें, बा बा की आवाज में बोलें जैसे भेड़ बोलती है। गोल घेरे में दौड़ें।

चरवाहा: अपनी छड़ी से भेड़ को शत्रु से छुड़ाए, और उन्हें शान्ति दे। छड़ी से शत्रु को भगा दे। किसी को मारें नहीं बल्कि मारने का अभिनय करें।

उद्घोषक: पद 5 पढ़े।

चरवाहा: भेड़ के पास मेज़ लगा दे। तब भेड़ के सिर पर बोतल से निकालकर तेल लगाने का अभिनय करे।

भेड़: अपने सिरों के उपर हाथ खड़े करें मानों जैसे कटोरा उमड़ रहा हो

उद्षोषक: पद 6 पढ़े।

चरवाहा: दरवाजा खोलने का अभिनय करे और भेड़ों को भीतर आने के लिये स्वागत करे।

भेड़ें: दरवाजे के अन्दर जाएं, और एक गोलाई में चरवाहे के चारों ओर घुटने टेक लें और स्वर्ग की ओर हाथ उठाकर परमेश्वर की स्तुति करें।

उद्घोषक: उन सबका धन्यवाद करे, जिन्होंने नाटक में भाग लिया है।

प्रश्न: यदि युवाओं के लिये यह नाटक प्रस्तुत किया गया है तो उनसे भी वे प्रश्न पूछें जो इस सूचि में पहले दिये गये हैं।अन्य उदाहरण भी पूछें कि किस प्रकार परमेश्वर अपने लोगों की चरवाही करता है? (बच्चे व युवा उदाहरण दें)।

चरवाहे की छड़ी का एक चित्र बनाएं। बच्चों को वह चित्र बनाने को कहें। तब बच्चे वह चित्र आराधना सभा के मध्य अन्यों को दिखाएं और बताएं कि यह चित्र संकेत करता है कि हमारा अच्छा चरवाहा यीशु मसीह आत्मिक जीवन की ओर ले जाने में हमारा मार्गदर्शन करता है।

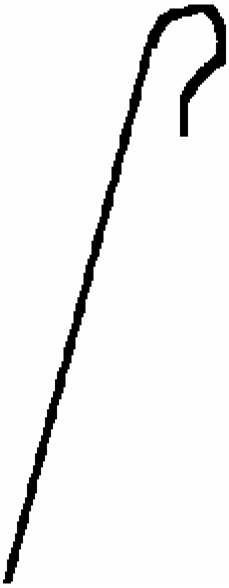

बड़े बच्चे अच्छे चरवाहे यीशु मसीह पर एक कविता या गीत लिखें।

कविता: भजनसंहिता 23 के कुछ पद सब बच्चे याद करें।

बड़े बच्चे भजनसंहिता 23 याद करें, तथा छोटे बच्चे याद करें 23:1-2

प्रार्थना:''प्रिय यीशु, आप हमारे सबसे निराले चरवाहे हैं, आप हमारी आवश्यकतानुसार वस्तुएं देते हैं। हम शत्रुओं के सामने व मृत्यु के भय में भी आप पर पूरा भरोसा करते हैं। आप हमें शान्ति देते व मृत्यु से पार करके हमें अनन्त जीवन तक ले जाने में हमारी अगुवाई करते हैं। हे प्रभु यीशु, शीघ्र आएं।

Copyright 2003 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net